तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 114/2018)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 28 नवंबर, 2018

(www.trai.gov.in)

30 सितंबर, 2018 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1169.29**	**22.11**	**1191.40**
सितंबर, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.40	-0.07	2.32
मासिक वृद्धि दर	0.21%	-0.34%	0.20%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**647.70**	**18.95**	**666.64**
सितंबर, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-0.10	-0.05	-0.15
मासिक वृद्धि दर	-0.02%	-0.28%	-0.02%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**521.59**	**3.17**	**524.76**
सितंबर, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.49	-0.02	2.47
मासिक वृद्धि दर	0.48%	-0.65%	0.47%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**89.51**	**1.69**	**91.20**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	156.23	4.57	160.79
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	58.49	0.36	58.85
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	55.39%	85.68%	55.95%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	44.61%	14.32%	44.05%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**463.71**	**17.99**	**481.70**

- सितंबर, 2018 के माह में 5.03 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से अगस्त, 2018 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 395.72 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत तक 400.76 मिलियन हो गया।

- सितंबर, 2018 के अंत तक सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1013.23 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- अगस्त, 2018 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,189.08 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत तक 1,191.40 हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.20 प्रतिशत दर्ज की गयी। अगस्त, 2018 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 666.80 मिलियन से मामूली घटकर सितंबर, 2018 के अंत तक 666.64 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 522.29 मिलियन से बढ़कर 524.76 मिलियन हो गई। सितंबर, 2018 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः –0.02 प्रतिशत तथा 0.47 प्रतिशत रही।

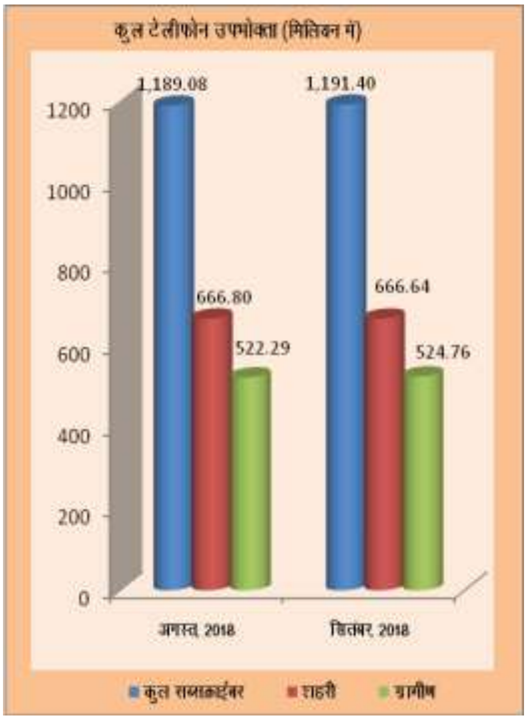

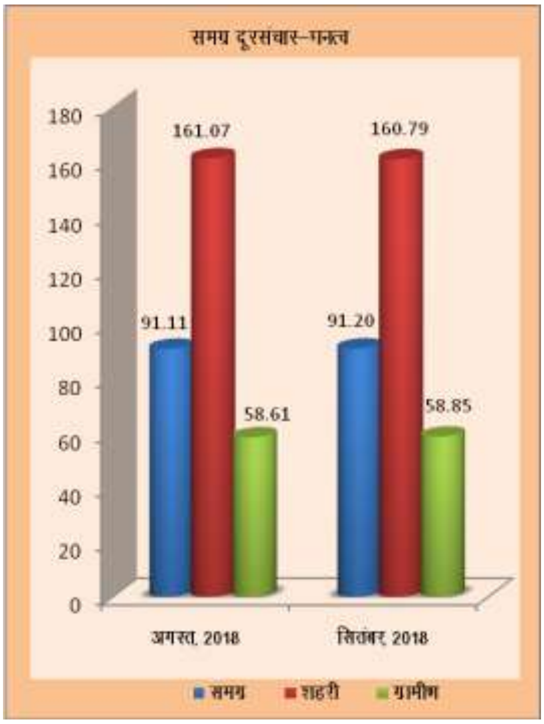

- अगस्त, 2018 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 91.11 से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत तक 91.20 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व अगस्त, 2018 के अंत तक 161.07 से घटकर सितंबर, 2018 के अंत तक 160.79 हो गया, जबकि ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी अगस्त, 2018 के अंत तक 58. 61 से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत तक 58.85 हो गया। सितंबर, 2018 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.95 प्रतिशत तथा 44.05 प्रतिशत थी।

दिनांक 30 सितंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

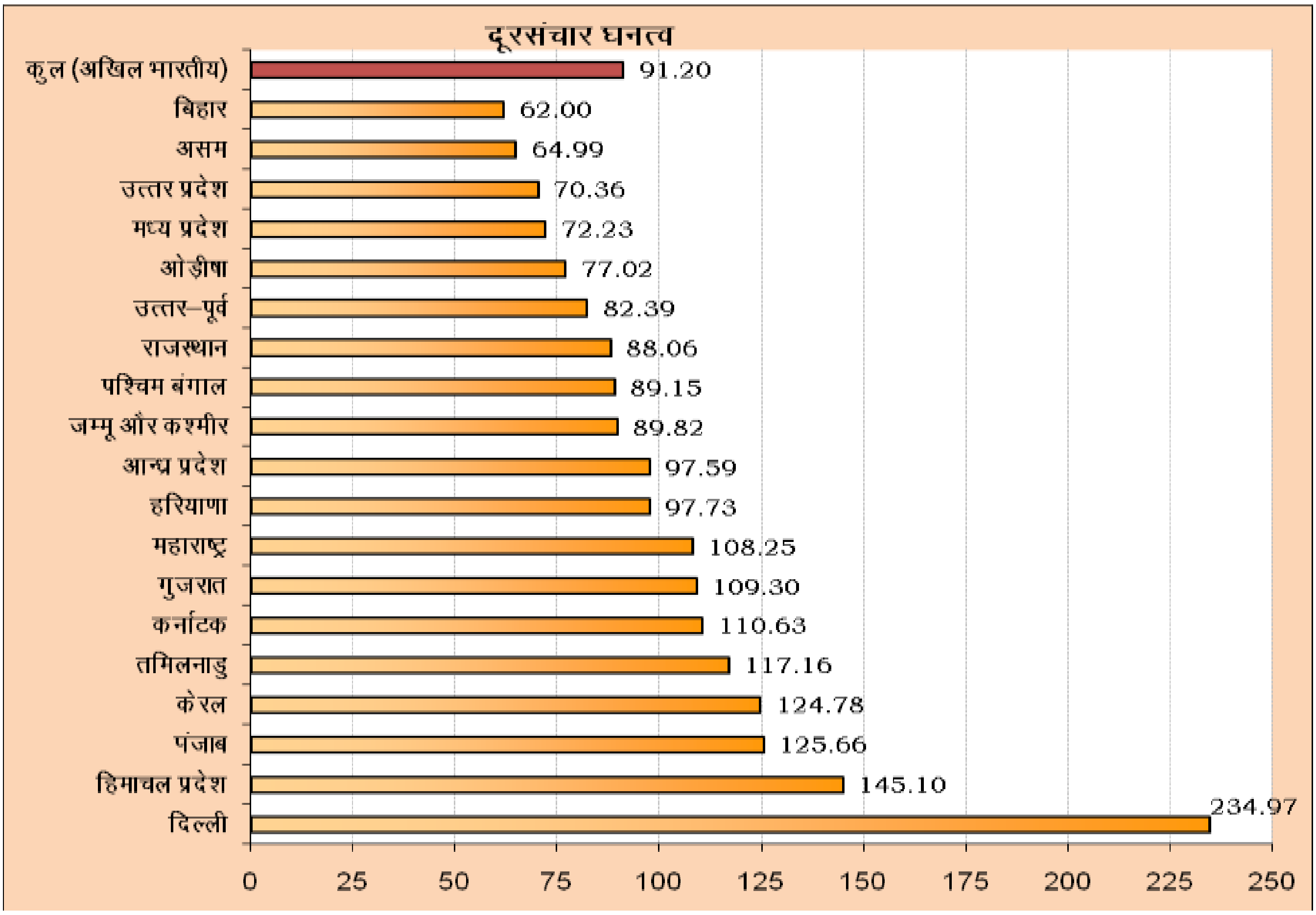

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

सितंबर, 2018 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	सितंबर, 2018 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 30 सितंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-21,640	55,777	8,705,410	401,828,296
श्रेणी – ख	-24,269	2,281,268	5,548,675	477,356,324
श्रेणी – ग	-13,597	-319,380	957,069	175,599,745
महानगर	-15,110	377,614	6,901,599	114,506,818
अखिल भारतीय	**-74,616**	**2,395,279**	**22,112,753**	**1,169,291,183**

सितंबर, 2018 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अगस्त, 2018 से सितंबर, 2018 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (सितंबर, 2017 से सितंबर, 2018 तक)	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-0.25	0.01	-7.26	-2.06
श्रेणी – ख	-0.44	0.48	-9.26	0.86
श्रेणी – ग	-1.40	-0.18	-10.35	-1.07
महानगर	-0.22	0.33	-2.81	-6.12
अखिल भारतीय	**-0.34**	**0.21**	**-6.58**	**-1.16**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि सितंबर, 2018 के दौरान वायरलैस क्षेत्र में, श्रेणी–ग के अलावा सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि इसी माह में वार्षिक आधार पर श्रेणी–ख के अलावा सभी श्रेणियों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में कमी दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, सितंबर, 2018 के दौरान सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में मासिक तथा वार्षिक, दोनों आधार पर उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता

- अगस्त, 2018 के अंत तक कुल वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,166.90 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत तक 1,169.29 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 0.21 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या अगस्त, 2018 के अंत तक 647.80 मिलियन से मामूली घटकर सितंबर, 2018 के अंत तक 647.70 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या 519.10 मिलियन से बढ़कर 521.59 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः –0.02 प्रतिशत तथा 0.48 प्रतिशत रही।

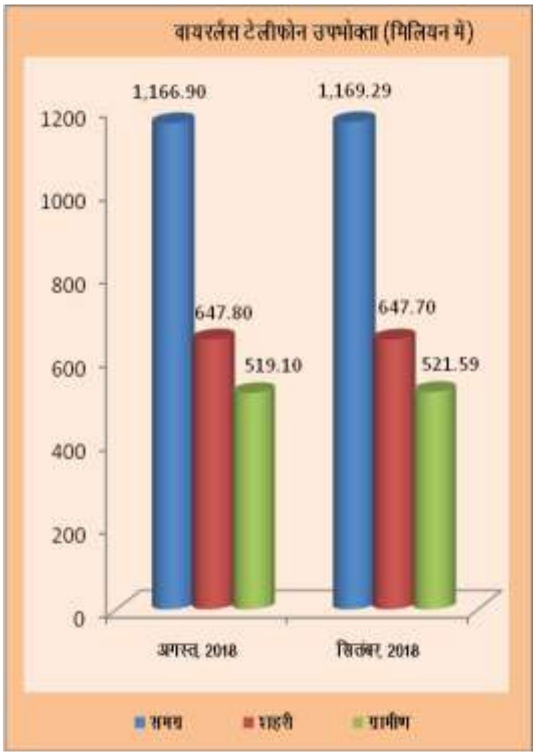

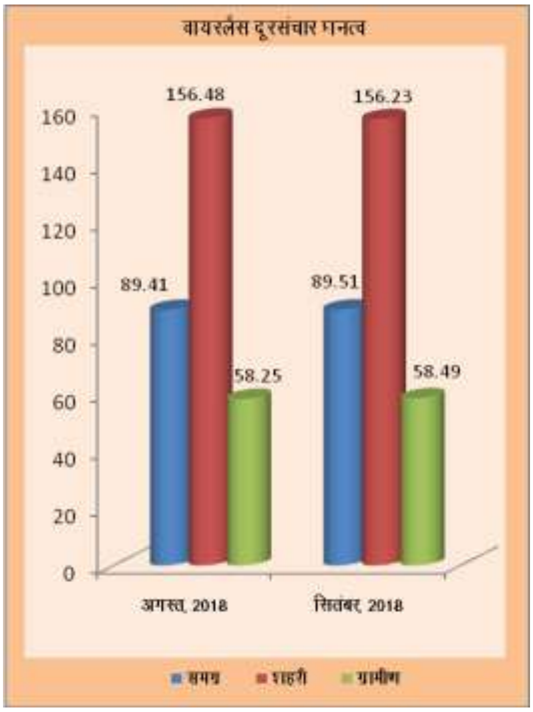

- अगस्त, 2018 के अंत तक वायरलैस दूरसंचार घनत्व 89.41 से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत तक 89.51 हो गया। शहरी क्षेत्रों में अगस्त, 2018 के अंत में वायरलैस दूरसंचार घनत्व 156.48 से घटकर सितंबर, 2018 के अंत में 156.23 हो गया, जबकि इसी दौरान ग्रामीण वायरलैस दूरसंचार घनत्व 58.25 से बढ़कर 58.49 हो गया। सितंबर, 2018 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.39 प्रतिशत तथा 44.61 प्रतिशत थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 30 सितंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का 90.03 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 9.97 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

* वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:—

दिनांक 30 सितंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

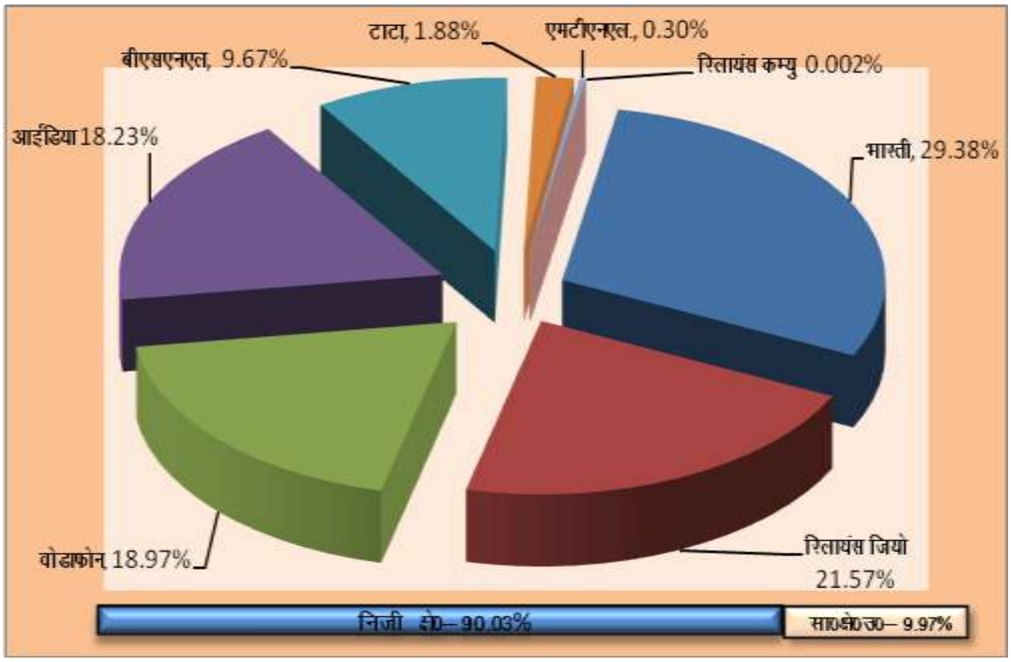

सितंबर, 2018 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

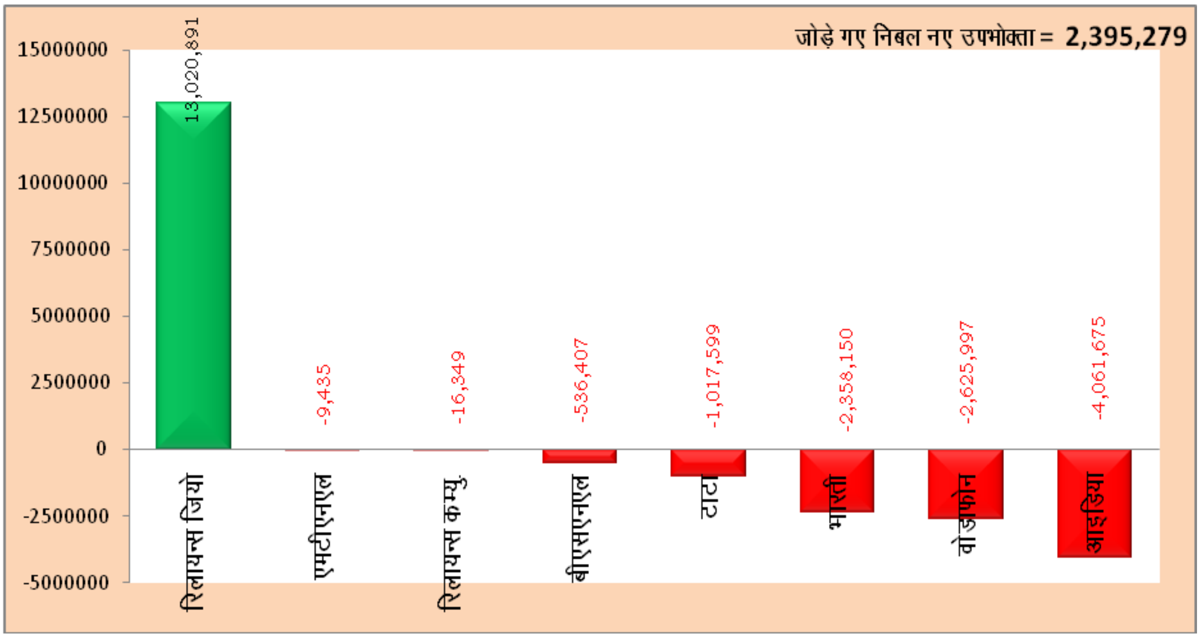

नोट – 1. ऐसा संज्ञान में आया कि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के द्वारा निष्क्रिय उपभोक्ताओं की संख्याओं को घटाकर शेष उपभोक्ताओं की संख्याओं को रिपोर्ट किया जाता था। प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 18.08.2017 को एक निर्देश जारी किया गया है कि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या का निर्धारण दूरसंचार विभाग के द्वारा दिये गये नियमों के अनुसार करना है तथा तदनुसार रिपोर्ट करनी है। हालांकि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने अभी तक इसका अनुपालन नहीं किया है।

IV. सक्रिय वायरलैस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- सितंबर, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,169.29 मिलियन) में से 1,013.23 मिलियन वायरलैस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 86.65 प्रतिशत था।

- सितंबर, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

सितंबर, 2018 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

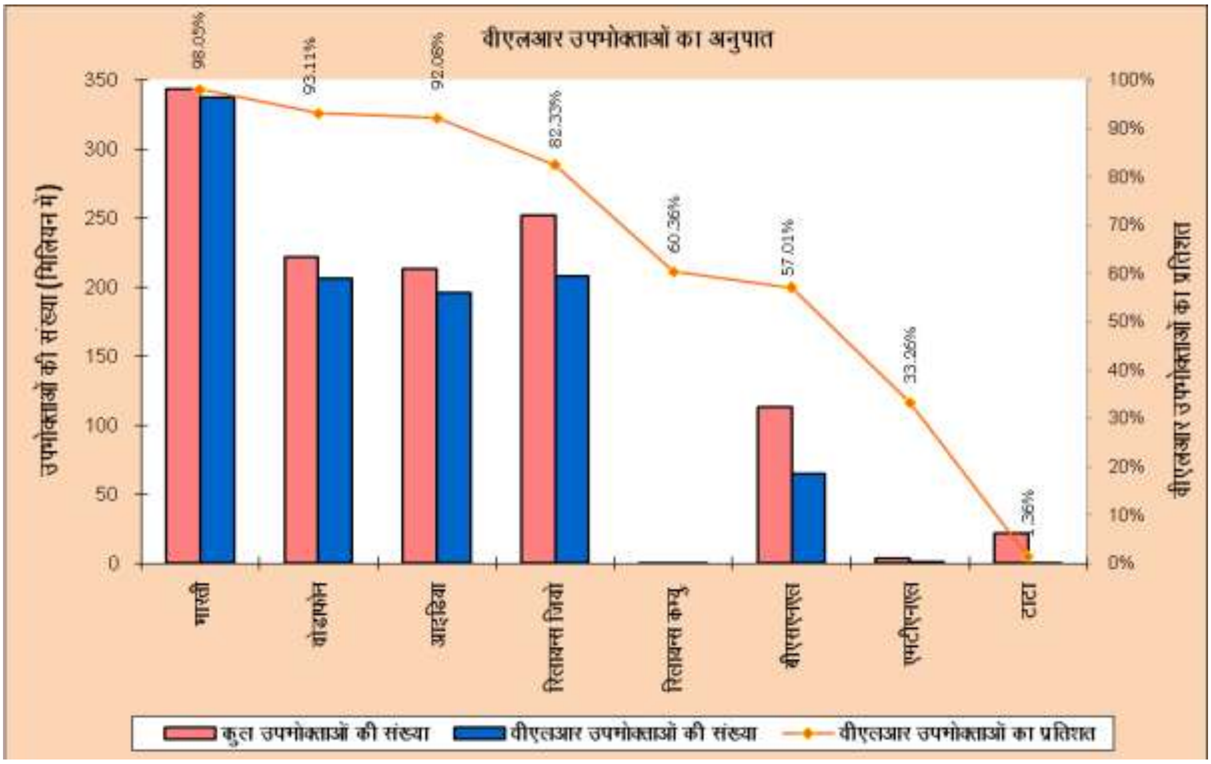

- सितंबर, 2018 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथी में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 98.05 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

सितंबर, 2018 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

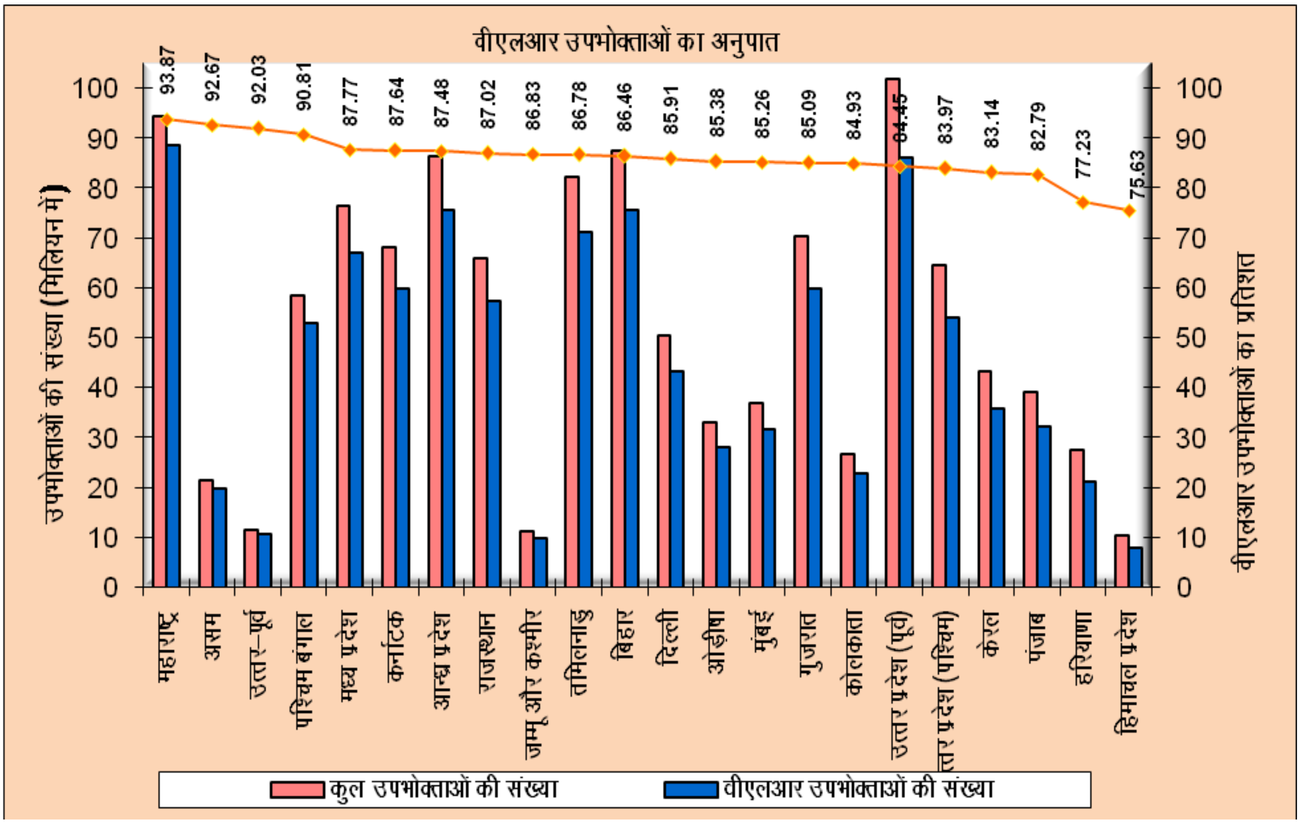

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

सितंबर, 2018 माह के दौरान एक्सेस सेवा–प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

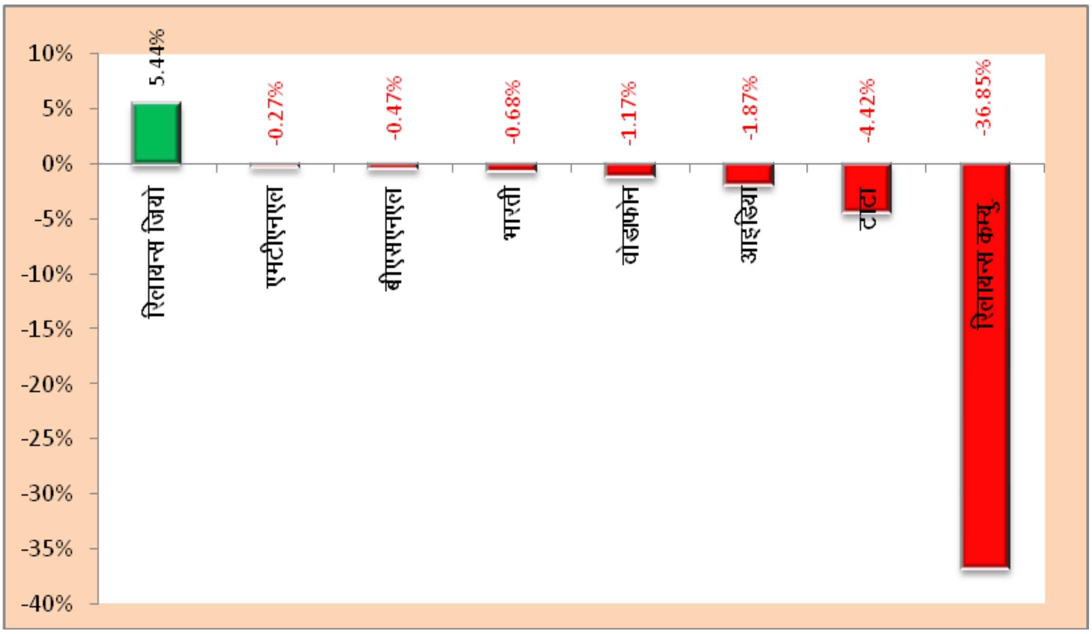

सितंबर, 2018 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

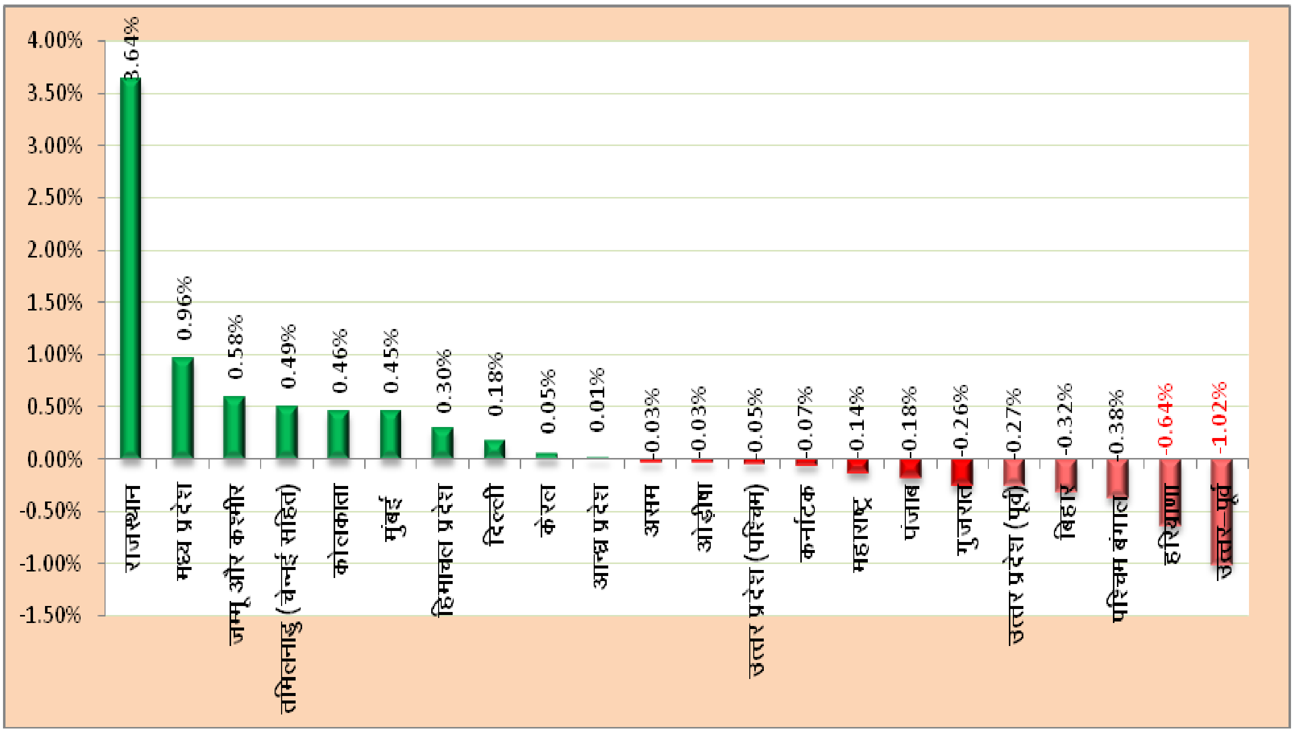

- सितंबर, 2018 के माह के दौरान वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में राजस्थान सेवा क्षेत्र में अधिकतम 3.64 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई है तथा इसी दौरान उत्तर–पूर्व सेवा क्षेत्र में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में अधिकतम मासिक निबल ह्रास दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- सितंबर, 2018 के माह में कुल 5.03 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 5.03 मिलियन अनुरोधों में से 2.91 मिलियन अनुरोध जोन–। से तथा 2.12 मिलियन अनुरोध जोन–।। से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथी से, संचयी एमएनपी अनुरोध अगस्त, 2018 के अंत तक 395.72 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत तक 400.76 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 32.65 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 28.26 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 38.04 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद तमिलनाडू में (लगभग 34.05 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–I			जोन–II		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018		अगस्त, 2018	सितंबर, 2018
दिल्ली	20.08	20.42	आन्ध्र प्रदेश	33.38	33.94
गुजरात	25.85	26.31	असम	3.19	3.22
हरियाणा	14.37	14.51	बिहार	15.06	15.44
हिमाचल प्रदेश	1.90	1.92	कर्नाटक	37.74	38.04
जम्मू और कश्मीर	0.92	0.94	केरल	9.54	9.64
महाराष्ट्र	27.71	28.26	कोलकाता	9.76	9.83
मुंबई	20.77	20.95	मध्य प्रदेश	26.00	26.23
पंजाब	14.95	15.15	उत्तर–पूर्व	1.26	1.27
राजस्थान	32.41	32.65	ओड़ीशा	7.83	7.90
उत्तर प्रदेश–पूर्व	21.55	21.89	तमिलनाडु	33.76	34.05
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	17.25	17.67	पश्चिम बंगाल	20.45	20.54
कुल	**197.75**	**200.66**	कुल	**197.97**	**200.09**
कुल (जोन–I + जोन–II)				**395.72**	**400.76**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (सितंबर, 2018 माह में)					**5.03** मिलियन

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या अगस्त, 2018 के अंत तक 22.19 मिलियन से और घटकर सितंबर, 2018 के अंत तक 22.11 मिलियन हो गया। इस माह में 0.34 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.08 मिलियन की निवल कमी हुई। सितंबर, 2018 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 85.68 प्रतिशत तथा 14.32 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व अगस्त, 2018 के अंत में 1.70 से घटकर सितंबर, 2018 के अंत तक 1.69 रह गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.57 तथा 0.36 रहा।

- सितंबर, 2018 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 67.51 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- सितंबर, 2018 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 30 सितंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

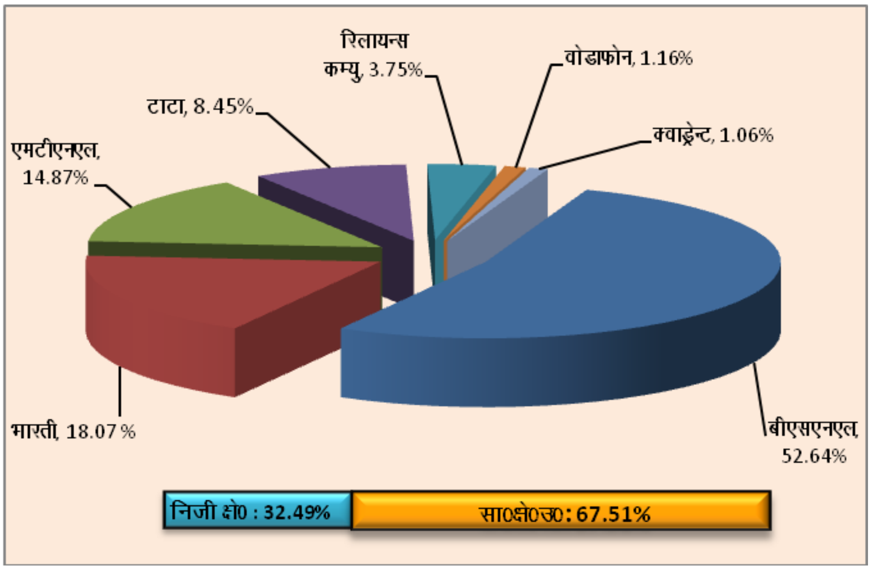

सितंबर, 2018 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

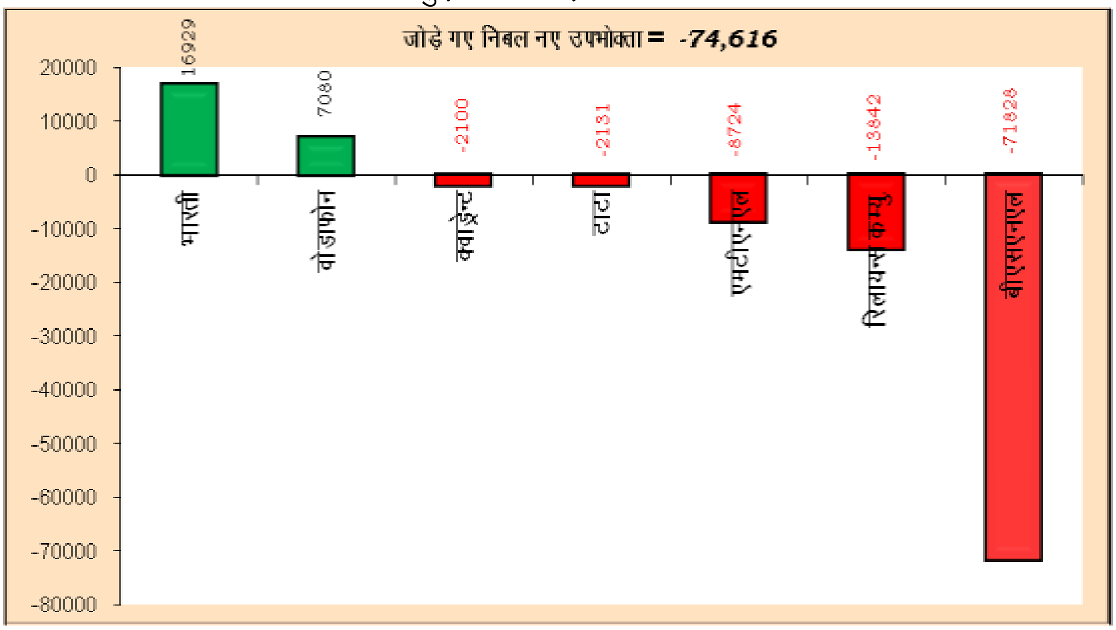

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- 308 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, अगस्त, 2018 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 463.66 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2018 के अंत में 481.70 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 3.89 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई हैः

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		सितंबर, 2018 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 अगस्त, 2018 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 30 सितंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	18.02	17.99	-0.18%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	445.18	462.89	3.98%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू–प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.45	0.82	81.67%
कुल	**463.65**	**481.70**	**3.89%**

- सितंबर, 2018 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 97.86 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (252.25 मिलियन), भारती एयरटेल (99.29 मिलियन), वोडाफोन (51.82 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (47.90 मिलियन) तथा बीएसएनएल (20.12 मिलियन) थे।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया हैः

दिनांक 30.09.2018 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

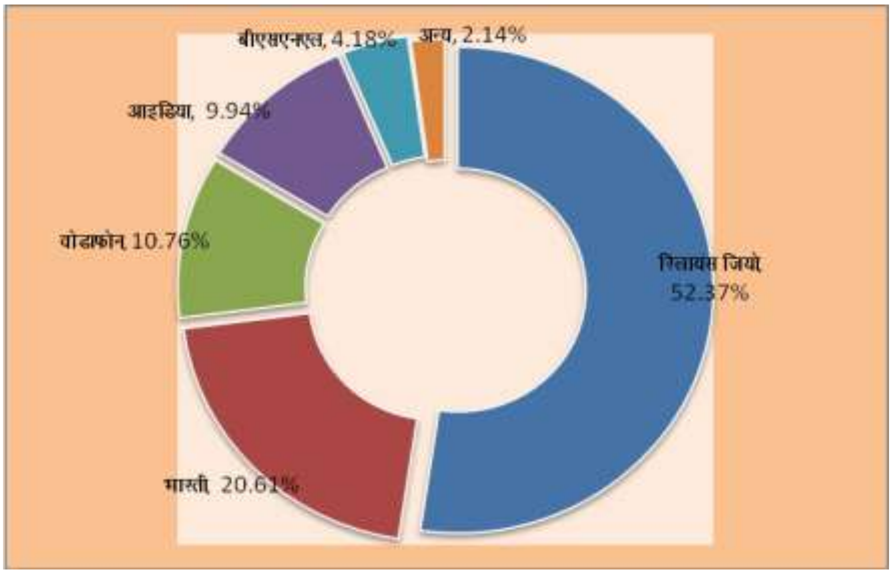

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- दिनांक 30 सितंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.15 मिलियन), भारती एयरटेल (2.24 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.36 मिलियन), एमटीएनएल (0.80 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.75 मिलियन) थे।

- दिनांक 30 सितंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलैस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (252.25 मिलियन), भारती एयरटेल (97.05 मिलियन), वोडाफोन (51.81 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (47.89 मिलियन) तथा बीएसएनएल (10.97 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह									
	भारती		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन		टाटा		आइडिया	
	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018
आन्ध्र प्रदेश	30176360	30026566	2855	2623	6127139	5917224	2025038	1931249	18249733	18060586
असम	8447074	8418266			4460812	4406691			1473777	1369539
बिहार	40092711	39593326	96	102	10611431	10375094	420861	386772	14884304	14661777
दिल्ली	15158137	15172046	11121	6424	12486379	12494486	188972	137248	7353323	7234188
गुजरात	12647157	12449875	1699	287	20119937	20010367	1115998	1066720	14846842	14553820
हरियाणा	3960914	3869469	57	76	6541960	6399044	1028187	981753	5529778	5330093
हिमाचल प्रदेश	3680320	3657922	70	72	529875	501889	7017	6073	1024380	993491
जम्मू और कश्मीर	5640905	5659892			837109	809122			705932	674860
कर्नाटक	27208845	27196971	4121	3743	7662144	7529192	3667930	3533210	9644127	9376999
केरल	5090507	5097537	1746	260	7800438	7745232	421633	390245	12792003	12757000
कोलकाता	6508881	6480384	554	45	7049849	7064615	1253740	1214176	3038176	2959917
मध्य प्रदेश	15922610	15822548	2057	498	6005007	5598615	2313921	2222462	28629423	28188196
महाराष्ट्र	16852234	16649830	1693	982	20368907	20112179	2177321	2024488	30619163	30158495
मुंबई	8364658	8389788	8949	6989	11189417	11154461	1155303	1068859	4844301	4826219
उत्तर–पूर्व	5416887	5387075			1850027	1834157			553391	519815
ओड़ीशा	13256695	13194247	48	47	4600382	4448021	689966	646536	2224299	2135684
पंजाब	10494593	10450837	498	84	4597490	4481132	1065075	1029811	7750845	7609769
राजस्थान	24044239	23850722	1418	248	12249941	12005472	178259	162978	8309620	8036988
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25981627	26015186	6281	4806	20185091	20124422	1774930	1706322	6477340	6339257
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	33640050	33187047	842	470	24846414	24739638	1886681	1889481	13538594	13100928
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	14407034	14213444	65	59	12666318	12550108	1570169	1530798	18025864	17771069
पश्चिम बंगाल	18889057	18740367	192	198	21697579	21556488	57568	51789	6653217	6448067
कुल	**345881495**	**343523345**	**44362**	**28013**	**224483646**	**221857649**	**22998569**	**21980970**	**217168432**	**213106757**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		-2358150		-16349		-2625997		-1017599		-4061675
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*172296100*	*171325432*	*0*	*0*	*118843627*	*116961939*	*3319866*	*3107673*	*115415729*	*113595099*

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1 (निरंतर)

	सेवा प्रदाता समूह								
सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल		निबल वृद्धि/कमी
	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	
आन्ध्र प्रदेश	10121336	10117353			19739246	20399046	**86441707**	**86454647**	12940
असम	2361519	2336741			4822949	5028609	**21566131**	**21559846**	-6285
बिहार	4851318	4724672			16939207	17780229	**87799928**	**87521972**	-277956
दिल्ली			2241426	2233956	13075176	13325084	**50514534**	**50603432**	88898
गुजरात	5693475	5641764			16058993	16576888	**70484101**	**70299721**	-184380
हरियाणा	4721161	4779107			5935581	6179323	**27717638**	**27538865**	-178773
हिमाचल प्रदेश	2689597	2715771			2418815	2505658	**10350074**	**10380876**	30802
जम्मू और कश्मीर	1241297	1208592			2837318	2975802	**11262561**	**11328268**	65707
कर्नाटक	7087161	7014510			13093076	13666438	**68367404**	**68321063**	-46341
केरल	10867428	10825739			6322954	6501146	**43296709**	**43317159**	20450
कोलकाता	1651491	1683227			7200891	7424214	**26703582**	**26826578**	122996
मध्य प्रदेश	6159102	6017078			16831873	18740661	**75863993**	**76590058**	726065
महाराष्ट्र	6897298	6925452			17783437	18698415	**94700053**	**94569841**	-130212
मुंबई			1262435	1260470	10086025	10370022	**36911088**	**37076808**	165720
उत्तर–पूर्व	1744111	1603167			2249264	2349334	**11813680**	**11693548**	-120132
ओड़ीशा	5509897	5510262			6845464	7180438	**33126751**	**33115235**	-11516
पंजाब	5275129	5212346			9979765	10310181	**39163395**	**39094160**	-69235
राजस्थान	5659635	5640989			13109401	16165830	**63552513**	**65863227**	2310714
तमिलनाडु(चेन्नई सहित)	11691867	11696433			15662118	16296598	**81779254**	**82183024**	403770
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	11784171	11905520			16500994	17103514	**102197746**	**101926598**	-271148
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	5868934	5886864			12044837	12598432	**64583221**	**64550774**	-32447
पश्चिम बंगाल	1708500	1602433			9693728	10076141	**58699841**	**58475483**	-224358
कुल	**113584427**	**113048020**	**3503861**	**3494426**	**239231112**	**252252003**	**1166895904**	**1169291183**	**2395279**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-536407		-9435		13020891	0	2395279	
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*36062370*	*35724341*	*46846*	*46690*	*73114298*	*80832574*	519098836	521593748	*2494912*

अनुलग्नक–**II**

सितंबर, 2018 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती	बीएसएनएल	आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	टाटा	वोडाफोन	कुल
आन्ध्र प्रदेश	100.89	69.33	97.00		64.81	77.11	0.45	85.55	**87.48**
असम	99.20	65.77	93.22			91.65		95.46	**92.67**
बिहार	85.90	56.64	88.20		9.80	96.28	0.43	86.08	**86.46**
दिल्ली	96.90		87.48	22.66	67.84	75.21	0.00	95.32	**85.91**
गुजरात	99.92	44.69	94.88		29.97	71.22	0.02	96.15	**85.09**
हरियाणा	119.67	36.09	92.41		3.95	65.39	0.38	92.87	**77.23**
हिमाचल प्रदेश	90.09	46.29	103.00		2.78	73.38	1.47	87.05	**75.63**
जम्मू और कश्मीर	93.81	76.06	90.49		-	76.01		90.80	**86.83**
कर्नाटक	104.64	63.34	93.55		66.63	79.50	0.42	97.23	**87.64**
केरल	97.56	63.08	93.57		53.85	73.46	2.28	96.69	**83.14**
कोलकाता	106.79	55.49	89.25		40.00	73.45	8.11	95.34	**84.93**
मध्य प्रदेश	102.70	55.28	94.31		3.01	90.12	0.28	74.50	**87.77**
महाराष्ट्र	113.57	55.88	95.80		53.26	93.24	2.51	97.56	**93.87**
मुंबई	117.16		83.28	52.04	56.10	80.15	7.49	78.10	**85.26**
उत्तर–पूर्व	98.83	75.72	94.31		-	86.09		93.26	**92.03**
ओड़ीशा	88.91	70.48	84.48		8.51	92.40	1.00	94.76	**85.38**
पंजाब	101.80	49.31	96.87		3.57	76.25	0.08	87.52	**82.79**
राजस्थान	91.61	47.10	88.64		7.66	85.41	0.48	98.90	**87.02**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	98.42	66.80	88.40		72.83	77.49	0.72	97.66	**86.78**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	95.31	45.36	86.92		16.17	88.97	0.10	90.72	**84.45**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	102.15	42.48	88.70		22.03	77.44	0.18	92.92	**83.97**
पश्चिम बंगाल	91.48	84.58	83.98		11.62	85.33	1.49	95.53	**90.81**
कुल	**98.05**	**57.01**	**92.08**	**33.26**	**60.36**	**82.33**	**1.36**	**93.11**	**86.65**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह														कुल संख्या		कुल योग /ह्रास
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती		रिलायन्स कम्यु.		टाटा		क्वाडेंट		वोडाफोन				
	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	अगस्त, 2018	सितंबर, 2018	
आन्ध्र प्रदेश	1015549	1012648			169546	170731	49325	49901	174157	175192			29790	30230	**1438367**	**1438702**	335
असम	125675	123444											2880	2790	**128555**	**126234**	-2321
बिहार	232768	230498					4345	4374	9521	8749			1740	1800	**248374**	**245421**	-2953
दिल्ली			1508597	1503186	1351374	1358401	143744	140679	151008	151721			40350	42580	**3195073**	**3196567**	1494
गुजरात	1009746	1009137			81381	81614	24980	23975	91664	91102			16788	20088	**1224559**	**1225916**	1357
हरियाणा	227376	225606			22472	22668	3025	3049	36248	35843			150	150	**289271**	**287316**	-1955
हिमाचल प्रदेश	115709	114891					3162	3121	2004	2001					**120875**	**120013**	-862
जम्मू और कश्मीर	109129	107958													**109129**	**107958**	-1171
कर्नाटक	1057229	1052271			657314	661126	147986	146662	277538	277374			39035	40145	**2179102**	**2177578**	-1524
केरल	1817186	1813189			59172	59559	20383	19857	19602	19854			2910	2880	**1919253**	**1915339**	-3914
कोलकाता	523750	515718			125568	125629	43497	43375	52007	53060			8000	7940	**752822**	**745722**	-7100
मध्य प्रदेश	656659	656329			242072	242223	11457	11487	15273	15728			750	690	**926211**	**926457**	246
महाराष्ट्र	1175309	1162466			86623	87100	55946	54992	299973	297202			16567	16597	**1634418**	**1618357**	-16061
मुंबई			1788019	1784706	361841	362239	200709	195555	570930	569615			47315	47195	**2968814**	**2959310**	-9504
उत्तर–पूर्व	107843	107170											270	270	**108113**	**107440**	-673
ओड़ीषा	243542	237613					2680	2642	7658	7798			1740	1950	**255620**	**250003**	-5617
पंजाब	432710	426496			125295	126264	11817	11702	14163	14502	235793	233693	1530	1530	**821308**	**814187**	-7121
राजस्थान	476800	470038			51581	52352	25629	25527	12112	12199			7140	7140	**573262**	**567256**	-6006
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1478852	1474450			557196	557755	78330	76665	118696	118397			17530	17590	**2250604**	**2244857**	-5747
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	362032	362054			65010	65518	10512	10285	8802	8897			11550	11520	**457906**	**458274**	368
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	291539	289358			22541	22736	4416	4271	6027	6051			3870	3900	**328393**	**326316**	-2077
पश्चिम बंगाल	252825	249066					1775	1757	2620	2587			120	120	**257340**	**253530**	-3810
कुल	**11712228**	**11640400**	**3296616**	**3287892**	**3978986**	**3995915**	**843718**	**829876**	**1870003**	**1867872**	**235793**	**233693**	**250025**	**257105**	**22187369**	**22112753**	**-74616**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-71828		-8724		16929		-13842		-2131		-2100		7080		-74616	
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3083336	3063310	0	0	0	0	1582	1582	53195	52713	49151	48805	0	0	3187264	3166410	-20854

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ है:–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———